इंदौर | मंगलवार | 29 जुलाई 2025 | वर्ष 65 | अंक 175 | पृष्ठ 12 | मूल्य रु. 5.00
navabharat.com | twitter.com/Nava_Bharat | fb.me/NavaBharat.Social

नव भारत
राष्ट्रनिष्ठा 1934 से
इंदौर 65 वां वर्ष संस्करण

6 देश में सरकारी स्कूल इतने बदहाल क्यों?

5 थरूर को कांग्रेस ने सिंदूर बहस से रखा दूर

8 खलील अहमद ने एसेक्स से तोड़ा नाता

7 ऊर्जा क्रांति की अग्रणी बनीं महिलाएं

पहलगाम का हिसाब बराबर

मास्टर माइंड मूसा 20 लाख का था इनामी, तीन आतंकी ढेर

श्रीनगर, 28 जुलाई. जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर जिले के दाचीगाम और लिडवास इलाके में सुरक्षाबलों ने 'ऑपरेशन महादेव' चलाकर बड़ी आतंकरोधी सफलता हासिल की है. दो दिनों तक चले इस सघन अभियान में सुरक्षाबलों ने लश्कर-ए-तैयबा के शीर्ष कमांडर हाशिम मूसा उर्फ सुलेमान शाह सहित तीन आतंकवादियों को ढेर कर दिया.

हाशिम मूसा 22 अप्रैल को हुए पहलगाम हमले का मुख्य साजिशकर्ता था, जिसमें 25 पर्यटक और एक स्थानीय नागरिक मारे गए थे. उस पर राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने 20 लाख रुपये का इनाम घोषित किया था.

सुरक्षा एजेंसियों को खुफिया सूचना मिली थी कि पहलगाम हमले से जुड़ा आतंकवादी समूह दाचीगाम के जंगलों में छिपा हुआ है. इसके बाद चिनार कॉर्प्स की अगुवाई में सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ की

संयुक्त टीम ने लिडवास इलाके में सर्च ऑपरेशन शुरू किया. दाचीगाम के दुर्गम और ऊबड़-खाबड़ पहाड़ी क्षेत्र में आतंकियों ने अस्थायी बंकर बना रखे थे. ऑपरेशन के दौरान सुरक्षाबलों ने दो दिन तक इलाके की घेराबंदी की और सोमवार सुबह करीब 11.30 बजे भीषण मुठभेड़ हुई. करीब एक घंटे चली गोलीबारी में तीन आतंकवादी मारे गए.

मारे गए आतंकियों के पास से एम4 राइफल, एके-47, ग्रेनेड, वायरलेस सेट और भारी मात्रा में गोला-बारूद बरामद हुआ है. सेना ने ड्रोन की मदद से मुठभेड़ के बाद पुष्टि की कि सभी तीन आतंकी मारे जा चुके हैं. इनकी पहचान में सबसे अहम नाम हाशिम मूसा का है, जो लश्कर और जैश के संयुक्त मॉड्यूल का हिस्सा था. सूत्रों के अनुसार, वह पाकिस्तान में ट्रेनिंग प्राप्त कर चुका था और पहलगाम हमले के लिए पाकिस्तान स्थित आतंकी ठिकानों से निर्देश ले रहा था. गौरतलब है कि पहलगाम हमले के बाद भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान और पीओके में 9 आतंकी कैंपों को तबाह कर दिया था, जिसमें 100 से अधिक आतंकवादी मारे गए थे. अब ऑपरेशन महादेव के जरिए भारत ने उस हमले के मास्टरमाइंड को भी समाप्त कर एक बड़ी कूटनीतिक और सुरक्षा विजय प्राप्त की है. फिलहाल सेना शेष बचे दो-चार आतंकियों की तलाश में लिडवास और आसपास के जंगलों में तलाशी अभियान जारी रखे हुए है.

धार्मिक आज़ादी के हनन पर चुप नहीं रहेंगे

16 घंटे की विशेष चर्चा ऑपरेशन सिंदूर पर शुरू | **11** बजे विपक्षी सांसदों ने एसआईआर की चर्चा करने पर किया जोरदार हंगामा | **02** बजे दोपहर दोबारा शुरू हुई और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दिए जवाब

- यूडीएफ सांसदों ने संसद में किया विरोध प्रदर्शन
- दो ननों को निशाना बनाकर भेजा गया जेल

नयी दिल्ली, 28 जुलाई. लोकसभा में सोमवार को पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर पर 16 घंटे की विशेष चर्चा शुरू हुई, जो बार-बार विपक्षी हंगामे के चलते स्थगित होती रही. सुबह 11 बजे लोकसभा की कार्यवाही शुरू होते ही विपक्षी सांसदों ने एसआईआर की चर्चा करने पर जोरदार हंगामा किया, जिसके बाद दोपहर 1 बजे तक सदन को स्थगित करना पड़ा.

कार्यवाही दोपहर 2 बजे दोबारा शुरू हुई और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा की शुरुआत की. जिसके कारण सोमवार को लोकसभा की कार्यवाही को स्थगित कर दी. मंगलवार को राजनाथ सिंह ऑपरेशन सिंदूर पर फिर से चर्चा करेंगे. कार्यवाही के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी संसद भवन पहुंचे. लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा है कि छत्तीसगढ़ में दो ननों के साथ हुआ व्यवहार अत्यंत निंदनीय है और कांग्रेस धार्मिक आजादी के हनन की ऐसी घटनाओं को सहन नहीं

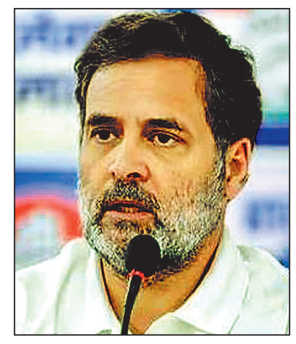

करेगी. गांधी ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा छत्तीसगढ़ में दो कैथोलिक ननों को उनकी आस्था के कारण निशाना बनाकर जेल भेज दिया गया. यह न्याय नहीं बल्कि भाजपा-आरएसएस का गुंडाराज है. यह एक खतरनाक पैटर्न को दर्शाता है और इस शासन में अल्पसंख्यकों का व्यवस्थित उत्पीड़न है. उन्होंने कहा यूडीएफ सांसदों ने आज संसद में विरोध प्रदर्शन किया. हम चुप नहीं बैठेंगे. धार्मिक स्वतंत्रता एक संवैधानिक अधिकार है. हम उनकी तत्काल रिहाई और इस अन्याय के लिए जवाबदेही की मांग करते हैं.

गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ में पुलिस ने मानव तस्करी और जबरन धर्म परिवर्तन के आरोप में दो ननों सहित तीन लोगों को धर्म स्वतंत्रता अधिनियम और अनैतिक व्यापार रोकथाम अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया है.

अब हमने सुदर्शन चक्र उठा लिया है : राजनाथ

राजनाथ सिंह ने विपक्ष पर पलटवार करते हुए कहा, यह ऑपरेशन किसी दबाव में नहीं रोका गया. सभी लक्ष्य 22 मिनट में पूरे किए गए. पाकिस्तान की डीजीएमओ स्तर की गुहार के बाद ही ऑपरेशन रोका गया, लेकिन हमने साफ कर दिया कि अगली बार कोई दुस्साहस हुआ तो फिर कार्रवाई और भी कठोर होगी. उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर कोई सामान्य सैन्य प्रतिक्रिया नहीं थी, बल्कि यह भारत की जीरो टॉलरेंस नीति का सशक्त प्रदर्शन था. इस मिशन में तीनों सेनाओं के तालमेल से 100 से अधिक आतंकवादी, उनके प्रशिक्षक और संचालक मारे गए. उन्होंने जोर देकर कहा कि सेना ने आम नागरिकों को नुकसान पहुंचाए बिना केवल आतंकवादियों के ठिकानों को ध्वस्त किया.

ऑपरेशन सिंदूर पर जयशंकर की दो टूक

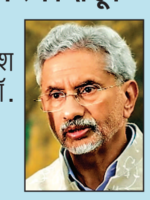

लोकसभा में विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने ऑपरेशन सिंदूर पर बताया कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद 23 अप्रैल को सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति की बैठक हुई, जिसमें कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए. इनमें सिंधु जल संधि को अस्थायी रूप से स्थगित करना, अटारी चेक पोस्ट बंद करना, पाकिस्तान उच्चायोग के रक्षा सलाहकारों को 'अवांछित व्यक्ति' घोषित करना शामिल.

गृह मंत्री को हमले की जिम्मेदारी लेनी चाहिए

कांग्रेस के उप नेता गौरव गोगोई ने लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान कहा कि पहलगाम में हुये आतंकवादी हमले की जिम्मेदारी गृह मंत्री अमित शाह को लेनी होगी और वह उप राज्यपाल मनोज सिन्हा के पीछे छिप नहीं सकते. गोगोई ने कहा कि सारा दोष टूर ऑपरेटर के सिर पर मढ़ दिया और कहा कि बगैर अनुमति के टूर ऑपरेटर पर्यटकों को पहलगाम ले गया और इसकी जानकारी सरकार को नहीं दी गयी.

एक नजर में

दिव्या ने जीता फिडे महिला विश्वकप का खिताब

जॉर्जिया. भारत की शतरंज खिलाड़ी दिव्या देशमुख ने सोमवार को हमवतन ग्रैंडमास्टर कोनेरू हंपी को हराकर फिडे महिला विश्व कप का खिताब अपने नाम कर लिया है। इस जीत के साथ ही दिव्या ग्रैंडमास्टर भी बन गई हैं। सोमवार को खेले गये रैपिड राउंड में दिव्या देशमुख ने सफेद मोहरों के साथ आक्रामक शुरूआत की। हंपी ने काले मोहरों से खेलते हुए मैच को ड्रॉ करवाया और मनोवैज्ञानिक बढ़त हासिल कर ली। रैपिड राउंड के दूसरे गेम में काले मोहरों से खेलती हुई दिव्या देशमुख शुरुआत से हावी रहीं।

(विस्तृत खबर खेल पेज पर)

ओबीसी आरक्षण को लेकर प्रदर्शन

प्रतीकात्मक गिरगिट लेकर पहुंचें कांग्रेस के विधायक

ओबीसी समाज को हक नहीं मिलेगा तब तक हम चुप नहीं बैठेंगे

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल, 28 जुलाई. विधानसभा के मानसून सत्र के पहले दिन सदन के अंदर तो शांति रही, लेकिन विधानसभा परिसर में कांग्रेस ने जबर्दस्त प्रदर्शन कर इस बात का संकेत दे दिया कि आने वाले दिनों में सदन में पक्ष और विपक्ष के बीच जबर्दस्त जोर-आजमाईश होगी.

सत्र के पहले दिन कांग्रेस विधायकों ने नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार की अगुवाई में पिछड़ा वर्ग को 27 फीसदी आरक्षण देने के साथ ही जातिगत जनगणना में पूरी पारदर्शिता रखने की मांग करते हुए विधानसभा परिसर स्थित गांधी प्रतिमा के सामने जोरदार प्रदर्शन किया. प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस विधायक प्रतीकात्मक रूप से गिरगिट लेकर पहुंचे. इस प्रतीक के माध्यम से उन्होंने सरकार पर आरोप लगाया कि वह गिरगिट की तरह रंग बदलने का काम कर रही है, कभी आरक्षण की बात करती है तो कभी उसे टाल देती है.

इस दौरान नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि जब सुप्रीम कोर्ट जवाब मांगता है, तब सरकार चुप्पी साध लेती है, लेकिन चुनाव आते ही ओबीसी वर्ग को भ्रमित कर उनके वोट बटोरने की राजनीति शुरू हो जाती है. उन्होंने कहा यह प्रदर्शन हमारा संवैधानिक अधिकार है. जब तक ओबीसी समाज को उनका हक नहीं मिलेगा, हम चुप नहीं बैठेंगे.

सुको ने जस्टिस वर्मा से पूछे सवाल

- समिति गठित की गई थी तब आपने क्यों नहीं दी चुनौती
- न्यायाधीश पहले भी इन कार्यवाहियों से बचते रहे

नयी दिल्ली, 28 जुलाई. उच्चतम न्यायालय ने नगदी बरामद होने के आरोपों का सामना कर रहे न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा से सोमवार को पूछा कि संबंधित न्यायिक आंतरिक जांच समिति द्वारा अपनी जांच पूरी करने और रिपोर्ट प्रस्तुत करने का इंतज़ार क्यों किया.

पीठ ने जस्टिस वर्मा की रिट याचिका पर सुनवाई करते हुए उनके अधिवक्ता से पूछा कि उन्होंने आंतरिक जांच समिति के गठन की वैधता को चुनौती क्यों नहीं दी और अगर यह संवैधानिक प्रावधानों के

विपरीत था तो उन्होंने इसके अधिकार क्षेत्र को क्यों स्वीकार किया. पीठ ने न्यायमूर्ति वर्मा की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल से सवाल किया, जब समिति गठित की गई थी तब आपने चुनौती क्यों नहीं दी? आपने इंतज़ार क्यों किया? न्यायाधीश पहले भी इन कार्यवाहियों में शामिल होने से बचते रहे हैं. पीठ ने उनसे से पूछा कि क्या यह सच नहीं है कि आंतरिक जांच रिपोर्ट केवल एक तथ्य-खोज दस्तावेज़ है, न कि साक्ष्य और वह इससे कैसे असंतुष्ट हैं.

बीस लाख से अधिक की साईबर ठगी, पुलिस का जवान बना शिकार

रायपुर 28 जुलाई. छत्तीसगढ़ में साईबर क्राइम की घटना तेजी से बढ़ते जा रही है. राजधानी रायपुर में पुलिस का सिपाही ही ठगी का शिकार हो गया है. ठगी भी कोई छोटी मोटी नहीं बल्कि 20 लाख रुपए से अधिक की है. इस मामले में 36 वर्षीय पृथ्वीराज सिंह शिकार हुए हैं जो कि छत्तीसगढ़ पुलिस में एसआईबी पीएचक्यू में आरक्षक के पद पर पदस्थ है. उससे ठगी सोशल मीडिया के टेलीग्राम एप के जरिए हुई है. पुलिस को पीड़ित ने बताया कि गत 22 जून से 26 जून 2025 के बीच टेलीग्राम चैनल 'सिस्टम ग्रुप - 6188' के जरिए उन्हें निवेश पर अधिक लाभ का लालच दिया था.

गुस्ताखी माफ

संसद जनता के बीच राजनीतिक व भावनात्मक संदेश पहुंचाने में जुटे दोनों पक्षों के वक्ता

आपरेशन सिंदूर पर बहस के साथ गतिरोध समाप्त

प्रवेश कुमार मिश्र

नयी दिल्ली,28 जुलाई. संसद के मानसून सत्र के आरंभिक दिनों से चल रहा गतिरोध आपरेशन सिंदूर पर चर्चा के साथ समाप्त हो गया है. आपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान दोनों पक्षों के वक्ता जनता के बीच अपने लिए राजनीतिक संदेश के साथ-साथ भावनात्मक संदेश पहुंचाने के प्रयास में लगे हैं.

> राहुल गांधी ने रक्षा मंत्री को बीच में टोकते हुए यह जानने का प्रयास किया कि किसके दबाव में आपरेशन सिंदूर को अचानक से रोका गया. इसके बाद गौरव गोगोई ने सरकार की विदेश नीति को लेकर सवाल खड़े किए. विदेश मंत्री जयशंकर ने आतंक के खिलाफ कुटनीतिक उपलब्धि के संदर्भ में तथ्यात्मक जानकारी दी लेकिन उनके जवाब से असंतुष्ट विपक्ष के टोका-टाकी के खिलाफ गृहमंत्री अमित शाह ने मोर्चा संभालते हुए कांग्रेस की आंतरिक नीति पर सवाल उठाते हुए विपक्ष को शांत होने पर मजबूर किया.

लोकसभा में आरंभ हुई चर्चा के बहाने जहां एक तरफ विपक्षी दलों द्वारा आपरेशन सिंदूर को अचानक रोकने के पीछे छुपे कथित कारण व कारक को उजागर करने के साथ-साथ विदेश नीति और पहलगाम घटना के आधार पर आंतरिक सुरक्षा का मुद्दा उठाकर सरकार को घेरने की कोशिश की जा रही है वहीं दूसरी ओर सरकार इसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में किए गए कठोर प्रतिकार का अनुकरणीय उदाहरण के रूप में पेश करते हुएछेड़ोगे तो छोड़ेंगे नहीं और घर में घुसकर मारने की स्वघोषित नारों को प्रमाणिकता के साथ चरितार्थ करते हुए अपनी पीठ थपथपाने की कोशिश कर रही है. चर्चा आरंभ करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने स्पष्ट कर दिया कि आपरेशन सिंदूर का परिणाम यदि सुखद रहा है तो छोटे मोटे नुकसान पर चर्चा सही नहीं है. उनके संबोधन से स्पष्ट हो गया है कि सरकार आंतरिक नुकसान के संदर्भ में कुछ भी बताने को तैयार नहीं है. संभवत: इसी वजह से राजनाथ सिंह बार-बार विपक्ष की ओर से आने वाले संभावित तीखी सवालों के बजाय सेना की शौर्य की बात कर रहे थे. सेना को पूरी छूट दी गई थी. पक्ष व विपक्ष के विभिन्न नेताओं ने इस विषय पर जिस तरह से उपलब्धि और कमी बताने का प्रयास कर रहे थे उससे स्पष्ट था कि दोनों पक्ष इस बहस के सहारे राजनीतिक उद्देश्य को प्राप्त करने का प्रयास कर रहे हैं.